समय- 03 घण्टे **अंक - 100**

सूचना :- १] सभी प्रश्न अनिवार्य है।

२] सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न -१) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता का अर्थ परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी संवेदना पर प्रकाश डालिए 1 20

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी निबंध के तत्वों को स्पष्ट कीजिए 1

प्रश्न -२) निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भसहित व्याख्या कीजिए। 20

क) " घुपितर की आज्ञा से
नरभक्षी बुढा गिद्ध
मेरे कंधों पर बैठ
दिन - भर नोचा करता है मेरा हृदय पिंड 1 "

अथवा

" यह कितना अद्भुत है
की बाढ चाहे जितनी भयानक हो उन्हे पानी में
थोडी - सी जगह जरूर मिल जाती है
थोडी - सी धूप
थोडा - सा आसमान 1 "

ख) " साहस की जिंदगी सबसे बडी होती है 1 ऐसी जिंदगी की सबसे बडी पहचान यहा है कि वह इस बात की चिंता नही करती कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं 1

अथवा

" रासायनिक उत्पादो से निश्चित सुरक्षा पाने और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए हमें और अधिक जानकारी हासिल करने की जरूरत है 1"

प्रश्न-३) ' सिलसिला ' कविता के माध्यम से पुंजीवादी सभ्यता का खोकलापन उजागर कीजिए 1 -20

अथवा

' चुप्पी टूटेगी ' कविता का उद्देश स्पष्ट कीजिए 1

प्रश्न ४) ' मनुष्य की सर्वोत्तम कृती : साहित्य' निबंध की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए 1 -20

अथवा

'अगर मुल्क में अखबार न हो ' निबंध का उद्देश स्पष्ट कीजिए 1

प्रश्न - ५) किन्ही दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। -20

क) 'बाजारे - नुमाइश में ' कविता का आशय
ख) ' यात्री ' कविता के शीर्षक की सार्थकता
ग) ' पाप के चार हथियार ' निबंध के उद्देश्य
घ) ' पाँत का आखिरी आदमी ' निबंध में मानवीय सभ्यता का संकट

****

XSAGARDADMINY0FED0FXSAGARDADMINY0FED0F